चर्चा पत्र : पर्यावरण अध्ययन, जुलाई से अगस्त 2016
कक्षा – 3, 4, 5

पिछले चर्चा पत्र (अप्रैल–जून 2016) में पर्यावरण अध्ययन, कक्षा 3–5 की पाठ्यपुस्तकों में समाहित पृष्ठों ''शिक्षकों के लिए'' एवं ''पाठ्यवस्तु में निहित संपूर्ण कौशल'' पर आप सभी ने चर्चा की होगी। जैसा कि आप जानते हैं, प्राथमिक कक्षाओं में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान संयुक्त रूप से पर्यावरण अध्ययन के अंतर्गत पढ़ाए जाते हैं। अतः पिछले चर्चा पत्र में पर्यावरण के दोनों पहलुओं को बराबरी से शामिल किया गया था। प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन का उद्देश्य बच्चों में अवलोकन, वर्गीकरण, अभिव्यक्ति के कौशलों के विकास के साथ–साथ बच्चों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना और उनमें समाज के निहित बहुलता के प्रति आदर का भाव विकसित करना है। साथ ही प्राकृतिक व सामाजिक परिवेशों के अन्तर्संबंधों पर जोर देते हुए बच्चों में पर्यावरण की समग्र समझ विकसित करना है।

इस अवधि में इन्हीं मुद्दों पर आधारित शिक्षण कार्यक्रम इस प्रकार हो सकते हैं :–

कक्षा – 3

विद्यार्थी समूहों में बंट कर निम्न लिखित गतिविधि सम्पन्न करें एवं चर्चा कर महत्वपूर्ण बिंदु अपनी कॉपी में लिखें –

1. क्या क्या होगा जब एक दिन हमारे घरों में पानी न हो
2. पानी हमारे किस–किस काम आता है?
3. पानी हमें कहाँ–कहाँ से मिलता है?
4. पानी बेकार न जाए इसके लिए हम सभी क्या–क्या उपाय करते हैं।
5. घरों में पीने के पानी को गंदा होने से कैसे बचाया जाता है,विद्यार्थी अपनी कक्षा में बताएं।

कक्षा – 4

विद्यार्थी नीचे दिए गए कार्य समूह में करें एवं आपस में चर्चा करें एवं महत्वपूर्ण बिंदुओं को अपनी कॉपी में नोट करें –

1. पिछले एक महीने से आज तक विभिन्न अखबारों में पानी से जुड़ी जो खबरें आयी हैं, उन्हें इकट्ठा कर एक बड़े कागज (चार्ट शीट) पर चिपकाएं और इन पर कक्षा में चर्चा करें।
2. विद्यार्थी अपनी कक्षा में साथियों से पूछ कर पता करें कि वे पिछले तीन महीनों में नीचे सारणी में दी गई बीमारी से ग्रसित हुए है? यदि हां तो निम्न सारणी को भरें–

क्र.	साथी का नाम	दस्त	उल्टी	दस्त व उल्टी एक साथ	पेट दर्द
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

विद्यार्थियों ने जो जानकारियां इकट्ठी की हैं उन पर वे शिक्षक की सहायता से एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार करें। इन बीमारियों के कारणों व बचाव के उपायों की कक्षा में चर्चा करें।

यहां पर उन लक्षणों की चर्चा की गई हैं जिन्हें विद्यार्थी जानते हैं। आस पास और भी बीमारियां हो सकती हैं। जिनके लक्षण शायद विद्यार्थी न जानते हों । यदि विद्यार्थी इनका उल्लेख करें तब शिक्षक उन्हें स्पष्ट कर सकते हैं ।

कक्षा – 5

शिक्षक व बड़ों की सहायता से विद्यार्थी समूहों में निम्नलिखित का अवलोकन कर एक रिपोर्ट तैयार करें–

1. अपने स्कूल व घर के आस–पास किन स्थानों में मच्छर ज्यादा दिखाई पड़ते है? वहां मच्छरों के होने के कारणों का पता लगाएं।
2. मच्छरों के द्वारा फैलने वाले रोगों का पता कर उनके नाम लिखें। मच्छरों को किस तरह नष्ट किया जा सकता है।
3. विद्यार्थी अपने परिवेश में पाए जाने वाले किन्हीं पांच कीटों के नाम पता लगाकर लिखें।